भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1443 का उत्तर

रेल दुर्घटनाएं

1443. श्री के. ई. प्रकाश:
श्री अभिषेक बनर्जी:
श्री अनुराग शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में विशेषकर उत्तर प्रदेश में रेल दुर्घटनाओं और पटरियों पर आवारा पशुओं के कारण हुई दुर्घटनाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश सहित देश में रेल पटरियों के दोनों ओर बाड़ लगायी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार का विचार झांसी, उत्तर प्रदेश में रेल पटरियों के दोनों ओर बाड़ लगाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

रेल दुर्घटनाओं के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री के. ई. प्रकाश, श्री अभिषेक बनर्जी और श्री अनुराग शर्मा के अतारांकित प्रश्न सं. 1443 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न संरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप दुर्घटनाओं की संख्या में भारी गिरावट आई है। परिणामी रेल दुर्घटनाएँ 2000-01 में 473 से घटकर 2023-24 में 40 हो गई हैं, जैसा नीचे दिए गए ग्राफ में दर्शाया गया है।

यह नोट किया जा सकता है कि 2004-14 की अवधि के दौरान परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या 1711 (औसतन 171 प्रति वर्ष) थी, जो 2014-24 की अवधि की दौरान घटकर 678 (औसतन 68 प्रति वर्ष) रह गई है।

रेलगाड़ी परिचालन में बेहतर संरक्षा को दर्शाने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण सूचकांक प्रति मिलियन रेलगाड़ी किलोमीटर दुर्घटनाएं (एपीएमटीकेएम) है, जो 2000-01 में 0.65 से घटकर 2023-24 में 0.03 हो गया है, जो उक्त अवधि के दौरान 95% से अधिक का सुधार दर्शाता है।

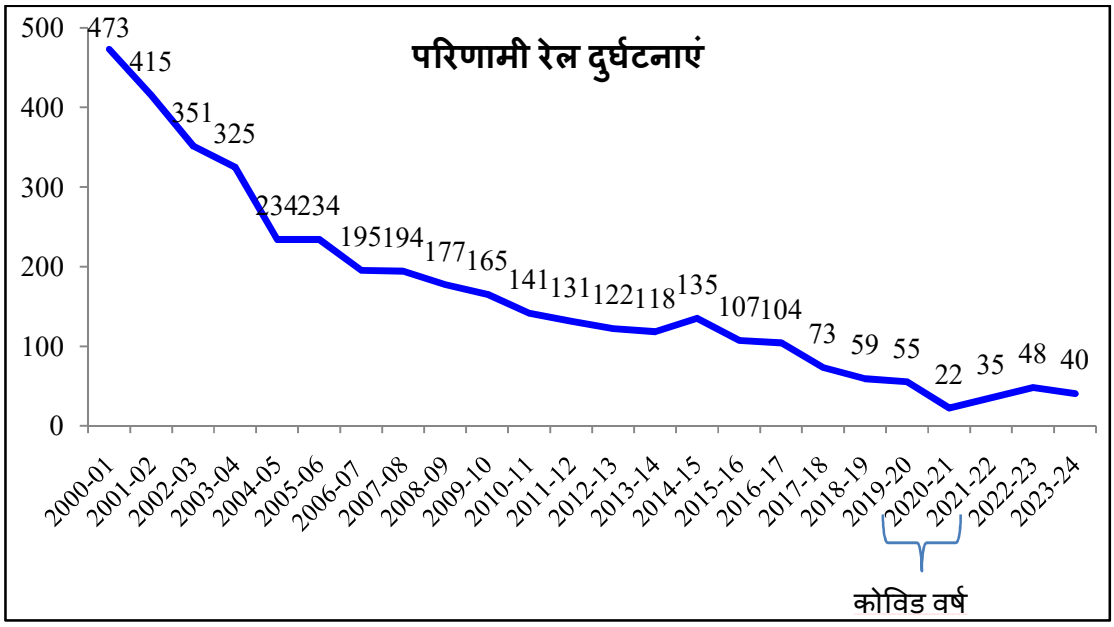

रेल दुर्घटनाओं और ट्रैक फेंसिंग का विवरण राज्यवार नहीं रखा जाता है। पिछले पाँच वर्षों (अर्थात 2019-20 से 2023-24 तक) के दौरान भारतीय रेल पर पटरियों पर आवारा पशुओं के कारण कुल 9 परिणामी रेल दुर्घटनाएँ हुईं।

s.k

भारतीय रेल पर कुल 6191 किलोमीटर रेलपथ पर बाड़ लगाई गई है। ट्रैक फेंसिंग का कार्य संसाधनों की उपलब्धता, व्यवहार्यता और अन्य कारकों पर निर्भर करता है। परियोजनाओं की स्वीकृति उपर्युक्त सहित विभिन्न कारकों के आधार पर की जाती है।

******

s.k